LATEST

NEWS

Election

Date : 16th Jan. 2026

Office of Chief Electoral Officer Rajasthan

https:/election.rajasthan.gov.in/

Follow us on:

CEORAJASTHAN

हेल्पलाइन 1950

दैनिक भास्कर
जयपुर 16-01-2026

SIR • वोटरों के नाम कटवाने पर विवाद, कांग्रेस ने गड़बड़ी का आरोप लगाया

अलवर में 1 नाम से 500 आपत्ति, सीकर में जिंदा को मृत बताया, चित्तौड़ में भी शिकायत

डोटासरा-जूली का दावा: हर विधानसभा क्षेत्र में 7 हजार फॉर्म रातोरात पहुंचाए गए

जयपुर | विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) में नामों पर आपत्ति दर्ज कराने के मामले में विवाद खड़ा हो गया है। अलवर समेत कई जिलों में अलग-अलग तरह के विवाद सामने आए हैं। उधर, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एसआईआर में गड़बड़ी का दावा किया है। इनका कहना है कि भाजपा ने रातोरात हजारों फॉर्म जमा करा दिए हैं। बीजेपी ने 14 जनवरी को फर्जी हस्ताक्षर करके हर एसडीओ स्तर पर अचानक हजारों नाम जोड़ने और हटाने के लिए फॉर्म जमा करवाए हैं। ये फॉर्म बीजेपी दफ्तर से भरवाए गए हैं और इनमें मोबाइल नंबर भी नहीं हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में एक हजार से लेकर सात हजार तक फॉर्म रातोरात पहुंचे हैं।

सीकर: कलेक्टर से शिकायत, समाज विशेष के नाम हटा रहे

सीकर में जिला कांग्रेस ने भाजपा और प्रशासन पर जिंदा लोगों को मृत बताने का आरोप लगाया है। मामले में कलेक्टर को ज्ञापन देकर शिकायत की है। पीड़ितों के साथ ज्ञापन में दावा किया है कि सभी कागजात देने के बाद भी भाजपा के बूथ लेवल एजेंट के निर्देश पर समाज विशेष के व्यक्तियों के नाम जानबूझकर वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं।

अलवर: नाम हटवाने के 25 हजार फॉर्म की सूचना पर कांग्रेस का हंगामा

अलवर के मिनी सचिवालय में अलवर ग्रामीण विस क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर की टेबल पर वोटर लिस्ट से नाम हटवाने के 20 से 25 हजार फॉर्म रखे मिले। सूचना पर गुरुवार सुबह खैरथल-तिजारा जिलाध्यक्ष सहित कांग्रेस के कई नेता-कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और हंगामा किया। इसी बीच, रिटर्निंग अधिकारी के चेंबर में काम करने वाले कर्मचारी गुपचुप निकल गए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि एक-एक व्यक्ति के नाम से करीब 400 से 500 आपत्ति फॉर्म मिले हैं। यानी, एक ही व्यक्ति ने 500 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने के लिए आवेदन किया है। हैरानी की बात यह है कि फॉर्म में एक जैसी लिखावट है। आपत्ति दर्ज कराने वाले के मोबाइल नंबर तक नहीं हैं। फॉर्म आधे कम्प्यूटराइज्ड हैं और सीरियल नंबर दिए हुए हैं। एक ही स्याही का उपयोग हुआ है। अचानक फॉर्म कहां से आए, यह कोई नहीं बता रहा। कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने कहा कि आपत्ति की जांच कराएंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बलराम यादव बताया कि साहून व रमजान आदि नाम से आपत्ति फॉर्म आए हैं।

अलवर में मिनी सचिवालय के कमरा नंबर-17 में रखे आपत्ति फॉर्म, जिस पर विवाद है।

चित्तौड़गढ़: कांग्रेस का आरोप-MLA के इशारे पर फर्जी आपत्तियां पेश की जा रहीं

चित्तौड़गढ़ में विधायक चंद्रभान सिंह आक्या पर कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीएलओ को घर बुलाकर नाम काटे जा रहे हैं। आक्या के इशारे पर सही नामों को काटने की साजिश है। फर्जी आपत्तियां पेश हो रही हैं। जिनकी 3 पीढ़ी वोट देती आ रही है, ऐसे परिवारों के नाम काटने के साजिश हो रही है।

कोटा: कांग्रेसियों को चिह्नित कर नाम काटे जा रहे, कलेक्टर से शिकायत की

कोटा में कांग्रेस का आरोप है कि राजनीतिक दबाव में बीएलओ से नाम कटवाए जा रहे हैं। कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष राखी गौतम व अन्य ने कलेक्टर पीयूष समारिया को ज्ञापन सौंपा है। आरोप है कि कांग्रेस वोटर्स को चिह्नित कर नाम काटे जा रहे हैं।

भास्कर इनसाइट

निर्वाचन आयोग को विवाद का अंदेशा था; 6 दिन से आंकड़े जारी नहीं किए

प्रदेश में मतदाताओं के नाम सूची से कटवाने पर विवाद की आशंका केंद्रीय निर्वाचन आयोग को पहले से था। ऐसे में आयोग ने 9 जनवरी के बाद वोटर लिस्ट से नाम कटने आंकड़े जारी ही नहीं किए हैं। उधर, पार्टीवार नाम कटवाने के आंकड़ों पर बात करें तो बीजेपी ने 4 और कांग्रेस ने 2 ही वोटरों के नाम कटवाए हैं। बीजेपी ने 201 और कांग्रेस ने 185 नाम ऑफिशियल रूप से 9 जनवरी तक जुड़वाए हैं। भारतीय आदिवासी पार्टी ने 2 नाम जुड़वाए हैं।

44109 वोटरों के नाम प्रदेशभर में आपत्ति के बाद मतदाता सूची से हटेंगे, अभी प्रक्रिया जारी है।

(निर्वाचन आयोग के आंकड़े 9 जनवरी 2026 तक के हैं।)

दैनिक नवज्योति
Jaipur City - 16 Jan 2026 - Page 5

एसआईआर पर घमासान

कांग्रेस ने लगाए वोट काटने के आरोप चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूची के गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर सियासी घमासान जारी है। पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गुरुवार को पीसीसी में भाजपा पर दिल्ली के इशारे पर फर्जी हस्ताक्षरों से फॉर्म-सात भरकर कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम काटने का आरोप लगाया। दोनों नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासनिक अधिकारियों ने भाजपा के दबाव में गलत काम किया तो उनके खिलाफ भी एफआईआर कराई जाएगी। कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन से मुलाकात कर कांग्रेस की तरफ से ज्ञापन भी सौंपा।

मीडिया से बातचीत के दौरान डोटासरा ने दावा किया भाजपा राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और गृह मंत्री अमित शाह की जयपुर यात्रा के दौरान गुप्त बैठकों में कांग्रेस समर्थित वोट काटने के निर्देश दिए गए थे। एक पेन ड्राइव के जरिए सभी जगह निर्देश भेजकर उन विधानसभा क्षेत्रों को चिह्नित किया गया, जहां कांग्रेस के प्रत्याशी पांच हजार या अधिक वोटों से जीते थे। उन क्षेत्रों में पिछले 4-5 दिन से कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली से रचे षड्यंत्र में सोशल मीडिया पर भाजपा के खिलाफ लिखने वालों के नाम काटने की साजिश रची जा रही है।

जूली ने अपने क्षेत्र में 28 हजार वोट काटने का आरोप लगाया

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर ग्रामीण विधानसभा का उदाहरण देते हुए कहा कि मैं वहां 28 हजार वोटों से जीता था और ठीक उतने ही वोट काटने की सिफारिश की गई है। ऐसे लोगों पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। कांग्रेस ने इस अवसर पर जयपुर के जयसिंहपुरा खोर और अलवर ग्रामीण में कथित गड़बड़ियों के वीडियो भी दिखाए।

पंजाब केसरी
FRI, 16 JANUARY 2026
EDITION: JAIPUR, PAGE NO. 8

आखरी दिन एसआईआर प्रोग्राम में कटे वोटर नाम जुड़वाने उमड़े

एसआईआर में 41.85 लाख मतदाताओं के नाम हटे

7 फरवरी तक मौका, 14 फरवरी को जारी होगी फाइनल लिस्ट

11 लाख मतदाताओं की मैपिंग के लिए दस्तावेज जांच जारी

जयपुर, 15 जनवरी (विशेष संवाददाता) : विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान प्रदेश में लाखों मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बाद गुरुवार को दावे-आपत्तियों के लिए अंतिम तिथि रही। इस दिन महानगर सहित बड़े शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रिटर्निंग ऑफिसरों के कार्यालयों पर भारी भीड़ देखी गई, जहां मतदाता अपने निर्धारित 13 दस्तावेजों के साथ नाम पुन: जुड़वाने पहुंचे।

निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, एसआईआर के दौरान पूरे प्रदेश में 199 विधानसभा क्षेत्रों (अंता को छोड़कर) में कुल 41.85 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए। इसमें सबसे बड़ा वर्ग 24.80 लाख (लगभग 5.43 प्रतिशत) ऐसे मतदाताओं का है, जो स्थाई रूप से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित पाए गए हैं। इसके अलावा 4.57 लाख (0.84 प्रतिशत) मतदाता अनुपस्थित, 8.75 लाख (1.60 प्रतिशत) मतदाताओं की मृत्यु दर्ज की गई, जबकि 3.44 लाख (0.63 प्रतिशत) नाम डुप्लिकेट पाए गए। इसी तरह अन्य कारणों से 27 हजार नाम सूची से बाहर हुए।

इनमें से 11 लाख मतदाताओं के नाम इसलिए हटे क्योंकि उनको एसआईआर प्रक्रिया में मैपिंग नहीं हो पाई थी। निर्वाचन विभाग ने इस

संबंध में एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, दिवंगत) सूची जारी कर विस्तृत विवरण साझा किया था तथा 17 दिसंबर से 15 जनवरी तक दस्तावेज जमा कराने का मौका दिया गया था। इसी अवधि में जिन 13 दस्तावेजों की सूची जारी की गई थी, उनमें पहचान, निवास तथा स्थानांतरण से संबंधित प्रमाण सम्मिलित थे।

गुरुवार को अंतिम तिथि होने के कारण विभिन्न जिलों में मतदाताओं का रिटर्निंग ऑफिसों पर तांता लगा रहा। अब विभाग दावे-आपत्तियों की जांच कर दस्तावेजों का सत्यापन करेगा। जिन मतदाताओं के दस्तावेज अधूरे हैं, वे 7 फरवरी तक आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत कर अपना नाम कटने से बचा सकते है। इसके बाद नई मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा और 14 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची जारी होगी। इससे पूर्व किसी नाम में परिवर्तन संभव नहीं होगा।

प्रतिष्ठित जूरी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण पर तत्काल रोक की अनुशंसा की

जयपुर, 15 जनवरी (ब्यूरो): मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश ए.के.पटनायक और न्यायमूर्ति मदन लोकुर सहित प्रतिष्ठित जूरी ने बताया है कि एसआईआर की वर्तमान कार्य पद्धति करोड़ों नागरिकों के मताधिकार को खतरे में डाल रही है। यह निष्कर्ष सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की रक्षा विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में दर्ज गवाहियों के आधार पर सामने आया।

यह सम्मेलन भारत जोड़ो अभियान, नेशनल एलायंस ऑफ पीपल्स मूवमेंट्स और पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज द्वारा कॉन्स्टिट्यूशन क्लब नई दिल्ली में आयोजित हुआ। जूरी में वरिष्ठ पत्रकार पामेला फिलिपोस, अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज और राजनीतिक चिंतक प्रो. निवेदिता मेनन भी शामिल थी। जूरी ने असम, बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, गोवा और तमिलनाडु से आए प्रतिनिधियों की गवाहियों में एसआईआर को जल्दबाजी, असंगति और पारदर्शिता की कमी से ग्रसित बताया गया। जूरी ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण आवश्यक है परंतु उसकी प्रक्रिया निष्पक्ष, सटीक और समावेशी होनी चाहिए, अन्यथा मताधिकार हनन होगा। भारत जोड़ो अभियान, नेशनल एलायंस ऑफ पीपल्स मूवमेंट्स और पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज ने जूरी के निष्कर्ष को गंभीर बताते हुए भारत के चुनाव आयोग और केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

पंजाब केसरी
FRI,16 JANUARY 2026
EDITION: JAIPUR, PAGE NO. 1

‘सुन लें कलेक्टर, SIR में गड़बड़ी की तो पुंगी बजा देंगे’

पीसीसी में मीडिया से बोले डोटासरा और जूली

कांग्रेस ने सरकार व प्रशासन पर लगाया वोट चोरी का आरोप

जयपुर, 15 जनवरी (ब्यूरो): राजस्थान में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बवाल हो गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और प्रशासन पर ‘वोट चोरी’ का संगीन आरोप लगाया है। डोटासरा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ हुआ तो अंजाम बुरा होगा।

डोटासरा ने जिला कलेक्टर्स को निशाने पर लेते हुए कहा कि अगर नियमों से परे जाकर किसी अधिकारी ने गड़बड़ की, तो हम उनकी पुंगी बजा देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता बूथ लेवल ऑफिसर पर दबाव बना रहे हैं। डोटासरा ने लक्ष्मणगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि नौरंग चौधरी नाम का बीजेपी कार्यकर्ता बीएलओ के यहां फॉर्म फेंककर जाता है और जबरन नाम जुड़वाता है।

डोटासरा ने एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी तो बीएलओ का ओटीपी ले रहे हैं और बल्क में नाम जोड़े जा रहे हैं। हर बूथ पर 50-50 नए नाम जोड़ने का टारगेट दिया गया है। किसका नाम काटना है और किसका जोड़ना है, यह पहले ही तय हो चुका है। यह सीधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या और कांग्रेस को कमजोर करने की साजिश है। डोटासरा ने प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और बीएलए को निर्देश देते हुए कहा कि शुक्रवार को सुबह 11 बजे सभी कार्यकर्ता एसडीएम ऑफिस पहुंचें और वहां बल्क में आए फॉर्म की मांग करें।

जयपुर : मुख्य निर्वाचन अधिकारी को विरोध दर्ज कराते कांग्रेस के नेता।

भाजपा के दिन अब लदने वाले हैं: गहलोत

प्रदेशभर में कई स्थानों से ऐसी सूचनाएं आ रही है कि अनजान व्यक्तियों द्वारा बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए फॉर्म 7 जमा करवाए है। मेरी सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील है कि मुस्तैदी से इस पर नजर रखें एवं किसी भी वैध मत को न कटने दें। प्रशासनिक अधिकारियों से भी आग्रह है कि संविधान के अनुरूप काम करें, इस बौखलाहट से समझ ले कि भाजपा के दिन लदने वाले है। अगर आप गैरकानूनी काम करेंगे तो आपको भी किसी न किसी दिन कानून का सामना करना होगा।

भाजपा का षड्यंत्र सामने आया : डोटासरा

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि एसआईआर की आड़ में लोकतंत्र को कमजोर करने, चुनिंदा वर्गों और कांग्रेस के वोट बैंक को चिह्नित कर भारी संख्या में वोट काटने एवं नियमों के खुले उल्लंघन का षड्यंत्र किया जा रहा है, जो किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन से मिलकर एसआईआर में गंभीर अनियमितताओं को लेकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, मुख्य सचेतक रफीक खान आदि मौजूद रहे।

SIR के लिए कार्यकर्ता डटे रहें: पायलट

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि कई राज्यों में गड़बड़ियां सामने आ रही है। बिहार में लाखों लोग वंचित रह गए, वैसा राजस्थान में नहीं होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे धरातल पर डटे रहें और तय करें कि किसी भी पात्र व्यक्ति, विशेषकर वंचित वर्ग का नाम मतदाता सूची से न कटे। यदि संवैधानिक जिम्मेदारियों से हटकर काम हुआ या गलत तरीके से नाम काटे गए, तो कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी।

मेरे क्षेत्र में 28 हजार नाम काट दिए : जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी हमला बोलते हुए कहा कि मैं 28 हजार वोटों से चुनाव जीता हूं और हैरानी की बात देखिए कि मेरे ही क्षेत्र में करीब 28 हजार नाम काट दिए गए है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो नए नाम जोड़ने के फॉर्म आए है, वे किसने दिए और किसने जमा किए? प्रशासन के पास इसका जवाब नहीं है। जूली ने मांग की है कि ऑफिस के सीसीटीवी फुटेज जब्त कर इसकी उच्च स्तरीय जांच हो।

चुनाव बंद करवा दो ना

जूली ने कहा कि अगर बीजेपी को जीतने की इतनी ही भूख है, तो चुनाव ही बंद करवा देने चाहिए। उन्होंने फर्जीवाड़े की परतें खोलते हुए बताया, ‘500-500 प्रिंटेड फॉर्म के जरिए नाम काटे जा रहे है, जबकि उनमें मोबाइल नंबर तक नहीं है। कानूनन मोबाइल नंबर अनिवार्य है। उन्होंने सरकारी दफ्तरों के फुटेज जब्त करने की मांग की, ताकि पता चले कि फॉर्म कौन जमा कर रहा है। जूली को आशंका है कि पोल खुलने के बाद अब बीजेपी के लोग इन फॉर्म्स को वापस ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कलेक्टर्स को चेताया, ‘ये फॉर्म अब सरकारी प्रॉपर्टी है, एक भी कागज बाहर नहीं जाना चाहिए। ऐसा दुस्साहस पहले कभी नहीं हुआ। अगर आज जांच नहीं हो रही, तो यह न समझे कि कभी नहीं होगी।

बगड़ी का कांग्रेस पर पलटवार, बोले-उनकी राजनीति झूठ, फरेब पर टिकी

भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कांग्रेस द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं हटाने की प्रक्रिया पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस जनता द्वारा नकार दी गई है, जनाधारहीन कांग्रेस अब आधारहीन मुद्दों पर बेतुकी बयानबाजी करती है। बगड़ी ने कहा कि कांग्रेस की आज की राजनीति झूठ, फरेब और नौटंकी पर टिकी है। इसे जनता समझ चुकी है, और राजस्थान में ही नहीं, कांग्रेस देशभर में नकारी जा चुकी है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की एक तय प्रक्रिया है, जिसमें मृत व्यक्ति, दो जगह वोटर लिस्ट में नाम होने और जो बाहरी है उनके नाम हटाए जा रहे है। इस प्रक्रिया के लिए सभी

राजनीतिक दलों से बीएलए-1, बीएलए-2 बनाए गए है। इनके द्वारा दिए गए फार्म की जांच करना, नाम जोड़ना या नाम हटाने का अधिकार निर्वाचन आयोग के पास है। अगर कोई फॉर्म अधूरा है, गलत है, सही है, यह तो निर्वाचन आयोग तय करेगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि कांग्रेस का रोहिंग्यो, बांग्लादेशियों और अवैध प्रवासियों से गहरा लगाव है। नियमानुसार उनका नाम कटता है तब भी इन्हें तकलीफ होती है। जयपुर में ऐसे कई घर है जो क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे है और मतदाता सूची के अनुसार उनमें 200 से 300 लोगों के नाम जुड़े हुए है, इन पर आपत्ति आई है तो आयोग नियमानुसार जांच करेगा।

BJP forged SIR forms to delete voters in state, alleges Cong

Party Seeks Immediate Intervention Of Election Commission

TIMES NEWS NETWORK

Jaipur: Congress Thursday accused BJP of misusing the special intensive revision (SIR) to remove thousands of voters from electoral rolls in Rajasthan. Dotasra along with senior party functionaries also met State Election Commissioner Navin Mahajan and submitted a memorandum on behalf of the party in this regard.

Addressing a press conference at the party's state headquarters, Dotasra said, "Congress booth level agents (BLAs) actively participated in the SIR process and cooperated with the election commission at every level, but on the last day for filing objections, BJP's Rajasthan incharge B L Santhosh held secret organisational meetings and issued directions to BJP leaders on how to manipulate SIR."

Dotasra alleged that Union home minister Amit Shah later held a 4-hour meeting with BJP leaders and issued further instructions. "After this, the chief minister's office hurriedly provided BJP leaders with pen drives containing data for every Assembly constituency. Based on this data, pre-printed forms with forged signatures and without BLA signatures were prepared by a centralised agency and submitted in bulk to delete names of Congress-supporting voters, just one day before SIR draft publication."

TOI

PCC chief Govind Singh Dotasra during a presser Thursday

Citing data released by the state's chief electoral officer on Jan 14, Dotasra said 973 BJP BLAs submitted 211 applications for adding names and 5,694 for deletions, while 110 Congress BLAs submitted objections seeking addition of 185 names and deletion of only 2.

"On Jan 13, BJP leaders had distributed constituency-wise pen drives to MLAs and ministers, targeting Assembly segments where Congress won by narrow margins, where its vote bank is strong, or where Dalit, tribal and minority voters are in large numbers. BJP leaders then submitted bulk applications in violation of rules to delete voters," Dotasra said.

Dotasra alleged that BJP's central leadership hired companies to identify voters who support Congress, oppose BJP policies, or are associated with movements such as Rajiv Gandhi Yuva Mitra, campaigns to save the Aravalli range, and employee agitations.

'False SIR forms filed in Alwar Rural'

Alwar: Congress workers Thursday alleged that in Alwar Rural assembly constituency, application forms had been submitted to delete thousands of voters by filing Form 7 of special intensive revision (SIR) in the names of Sahun, Ramzan, Nawab and Naser. The forms were reported to have similar handwriting, with names and serial numbers entered on computer. It was also alleged that the forms did not have the applicants' phone numbers. The forms were found in large numbers on the table of election commission's returning officer for Alwar Rural, Madhav Bhardwaj, the Congress members said. Congress workers led by district president Balram Yadav reached Alwar's mini secretariat to lodge their protest. Yadav said officials and staff did not respond to their queries and left their seats, after which police were deployed to the spot. TNN

BJP hits back at Congress over voter list allegations

TIMES NEWS NETWORK

TOI

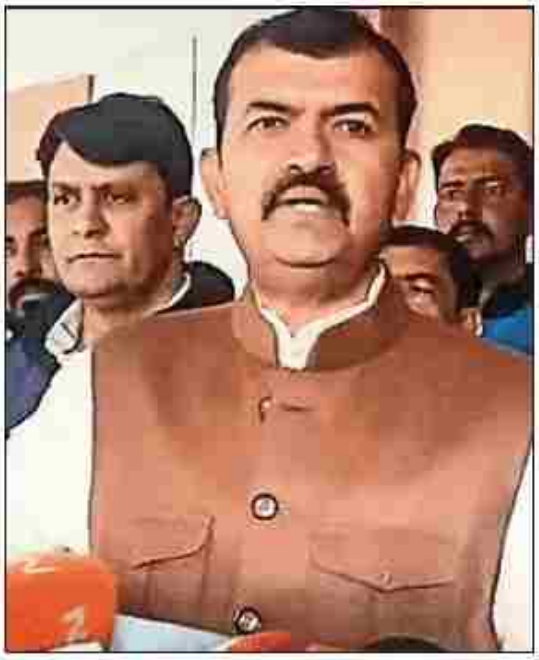

BJP state general secretary Shravan Singh Bagdi

Jaipur: BJP state general secretary Shravan Singh Bagdi Thursday hit back at the Congress over its allegations regarding the process of adding and deleting names in the voter list, saying the party was rejected by the people and was now making baseless statements on groundless issues.

He said the present politics of the Congress was based on lies, deceit and drama, and that the public understood this not only in Rajasthan but across the country.

Bagdi said there was a prescribed procedure for adding and deleting names in the electoral rolls, under which the names of deceased persons, those listed in two places, and non-residents are removed.

"Booth level agents BLA 1 and BLA 2 were appointed by all political parties for this process, and the Election Commission has the authority to examine the forms submitted by them and to decide on additions or deletions. Whether a form is incomplete, incorrect or valid is decided by the Election Commission."

He said the Congress had a deep attachment to Rohingyas, Bangladeshis and illegal migrants and felt discomfort even when their names were removed as per rules. Referring to Jaipur, Bagdi said there were several houses that were small in area but had 200 to 300 names listed in the voter rolls, and when objections were raised, the Election Commission would examine them according to rules. "Why the Congress was upset over this," he questioned.

Bagdi said it was surprising that the Congress remained silent where it won elections, but where it lost, it started blaming EVMs, the Election Commission and the BJP.

ToI

Massive Form 7 filings to remove Cong voters from roll, says Gehlot

Indian Express

Press Trust of India
Jaipur, January 15

FORMER CHIEF minister of Rajasthan Ashok Gehlot on Thursday alleged that unknown individuals have submitted a large number of Form 7 to remove the names of Congress-supporting voters from the electoral rolls and asked the party workers to remain vigilant.

"Today is the last day to file objections regarding the removal of names from the electoral roll. Reports are coming in from several places across the state that unknown individuals have submitted a large number of Form 7 to remove the names of Congress-supporting voters," Gehlot said on X in Hindi.

"I appeal to all Congress workers and booth-level presidents to keep a close watch on this and ensure that no legitimate vote is removed from the list," he said.

Gehlot also urged the administrative officials to act in accordance with the Constitution and warned that officials involved in any illegal actions would eventually have to face the law.

He said that the desperation shows that the BJP is going to face decline.

The draft electoral roll of Rajasthan, post the special intensive revision, was published on December 16 last year.

Nearly 42 lakh voter names had been deleted from 5.46 crore voters during the exercise.

One month was given to file the claims and objections, with January 15 being the last date.

Hearings, verification and decisions on claims and objections will be conducted until February 7. The final electoral roll will be published on February 14.

Rajasthan Cong alleges mass deletion of voters in roll revision

Indian Express

Parul Kulshrestha

Jaipur, January 15

THE RAJASTHAN Congress Thursday alleged large-scale irregularities in the ongoing Special Intensive Revision of electoral rolls, accusing the ruling BJP of orchestrating a coordinated effort to manipulate voter lists by deleting thousands of voters.

At a press conference at the State Congress headquarters in Jaipur, Rajasthan Pradesh Congress Committee president Govind Singh Dotasra and Leader of the Opposition Tikaram Jully accused the state's ruling Bharatiya Janata Party of submitting thousands of bulk, pre-printed applications overnight, calling a "direct attack on democracy and the fundamental right to vote".

The remarks come at a time when officials hold hearings under the SIR before the final rolls are published in February.

"Nearly three years remaining for the next Rajasthan Assembly elections, an SIR of the electoral rolls is already underway despite there being no mandatory requirement for it," Dotasra said. "This process has already delayed elections to Panchayati Raj institutions and urban local bodies, and even after this exercise, polls will be conducted using an inaccurate and 'fraudulent' voter list."

Dotasra said the Congress party "cooperated fully with EC throughout SIR process," but alleged that on the final day for filing objections the BJP initiated a "coordinated and illegal exercise" to manipulate the voter list.

He alleged that BJP's Rajasthan in-charge B L Santosh held closed-door organisational meetings and issued instructions to party leaders on how to proceed with the SIR.

"Soon after, Union Home Minister Amit Shah held a four-hour meeting with BJP leaders in the state, allegedly giving further directions related to the voter revision process," he said. "The data was then hurriedly distributed on pen drives from the CMO to BJP leaders for each Assembly constituency."

Using this, Dotasra alleged, the BJP began submitting thousands of pre-printed forms in bulk across constituencies for deletion of names, "many of them carrying forged or mismatched signatures and lacking signatures of BLAs altogether".

These forms, he claimed, were prepared by a centralised agency in violation of prescribed rules and submitted a day before the draft voter list was to be published, with the intent of removing names of Congress voters.

He pointed out that election rules allow a BLA to submit only 50 applications per day for deletion of names and only 10 applications after draft publication. However, according to data uploaded by the CEO till January 14, 2026, around 973 BJP BLAs sought the addition of 211 names and deletion of 5,694 names, while 110 Congress BLAs sought the addition of 185 names and deletion of just two names.

"On the evening of January 13, BJP leaders distributed pen drives to MLAs and ministers containing deletion applications for constituencies where the Congress had narrow victories, where it has a strong vote base among Dalit, tribal and minority communities, or where the BJP itself won by slim margins," he alleged. "In several Assembly constituencies, between 2,000 and 4,000 pre-printed forms were allegedly submitted on a single day by one person."

He further claimed that the BJP's central leadership engaged private companies to collect data on Congress supporters, critics of BJP policies, participants in movements such as protests to save the Aravalli range, Rajiv Gandhi Yuva Mitra associates and employee organisations, and that applications were then filed to remove these individuals from the voter list.

FIRST INDIA

16 January 2026

Poll tensions rise Congress delegation calls on CEO over voter deletion issue

Cong raises alarm over SIR; officials assure fair process

First India Bureau
Jaipur

Congress intensified its protest on Thursday over the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls, alleging deletion of party-supporting voters' names. A Congress delegation met Chief Electoral Officer at the Secretariat to raise complaints of irregularities. Leader of Opposition Tika Ram Jully, MLAs Rafeek Khan and Ramkesh Meena were also present.

After submitting a memorandum, Dotasra alleged that BJP was conspiring to remove Congress votes using fake signatures of Booth Level Agents (BLAs) and other methods. Officials assured the delegation that data had been sought from all district collectors and sub-divisional magistrates and that only properly signed forms with required undertakings would be accepted. They emphasised that all work would follow the rule book without any political interference.

BJP hit back, accusing Congress of politicising religion over SIR. State general secretary Shravan Singh Bagri said genuine voters are being identified and illegal infiltrators removed. He alleged Congress blames EC when it loses and seeks to include Rohingyas and Bangladeshis in the rolls, while putting pressure on officials, unlike party leader Rahul Gandhi raising issues abroad.

RPCC Chief GS Dotasra, LOP Tika Ram Jully, Dy LOP Ramkesh Meena, Chief Whip Rafeek Khan, and others meet CEO Naveen Mahajan to register protest against irregularities under SIR, in Jaipur, on Thursday.

BJP hit back, accusing Congress of politicising religion over SIR. State gen secy Shravan Singh Bagri said genuine voters are being identified and illegal infiltrators removed

BJP CONSPIRING TO REMOVE CONG VOTERS, PRESSURING BLOs, ALLEGES GS DOTASRA

PCC president Govind Singh Dotasra on Thursday alleged a conspiracy to delete the names of Congress-supporting voters from electoral rolls, claiming pressure is being exerted on Booth Level Officers (BLOs). Speaking at a press conference, Dotasra said BJP leaders are allegedly obtaining OTPs from BLOs, allowing manipulation of voter names, and warned officials against wrongdoing. Leader of Opposition Tika Ram Jully claimed complaints have been filed to delete thousands of votes in his constituency, with a single individual reportedly attempting to remove 500–700 votes. Congress leaders demanded CCTV footage be examined to identify those submitting the forms and accused officials of abandoning their duties. Dotasra said district presidents and party leaders have been instructed to stay in SDM offices until official clarification is provided, alleging that the BJP is attempting to weaken democracy.

GEHLOT ALLEGES BID TO DELETE CONGRESS VOTERS' NAMES FROM ROLLS

Former chief minister Ashok Gehlot on Thursday alleged that unknown persons have submitted a large number of Form 7 applications to delete the names of Congress-supporting voters from the electoral rolls. Calling it a serious matter, he urged Congress workers and booth-level presidents to remain vigilant on the last day for filing objections. In a post on X, Gehlot appealed to party workers to ensure that no genuine voter name is removed and asked election officials to act strictly in accordance with the Constitution. He warned that those involved in illegal actions would have to face the law. Gehlot claimed the alleged move reflected BJP's growing desperation. The draft electoral roll was published on December 16, with January 15 as the last date for objections.

डोटासरा बोले : कांग्रेस समर्थकों के वोट काटने की साजिश

एसआइआर की आड़ में वोट चोरी का आरोप, आयोग को अल्टीमेटम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. एसआइआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर वोट चोरी और मतदाता सूची से छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को प्रेसवार्ता में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर डेटा माइनिंग के जरिए उन मतदाताओं को चिह्नित किया जा रहा है जो भाजपा की नीतियों का विरोध करते हैं। इसमें अरावली बचाओ आंदोलन से जुड़े लोग, शिक्षक, कर्मचारी, राजीव गांधी युवा मित्र, सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना करने वाले और कांग्रेस के पारंपरिक समर्थक शामिल हैं। इन्हीं वर्गों के वोट बल्क फॉर्म के जरिए काटे जा रहे हैं।

डोटासरा ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह का जयपुर दौरा, मुख्यमंत्री निवास में चार घंटे की गोपनीय बैठक और सीएमआर से पेन ड्राइव जारी होने की घटनाएं संकेत देती हैं कि एसआइआर के जरिए वोट चोरी की योजना बनाई गई। आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि से ठीक पहले हजारों की संख्या में फर्जी और प्रिंटेड फॉर्म जमा कराए गए। प्रेसवार्ता के बाद डोटासरा, जूली, उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, रफीक खान, जसवंत सिंह ने शाम को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन से मुलाकात कर एसआइआर प्रक्रिया में कथित पक्षपात पर आपत्ति दर्ज कराई और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी ने भाजपा के दबाव में आकर एक भी वोट काटने या जोड़ने का काम किया तो कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी।

मुख्य निर्वाचन आयोग से मुलाकात करते कांग्रेसी नेता।

मतदाता सूची में नाम जोड़ना और हटाना चुनाव आयोग का विशेषाधिकार : बगड़ी

भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं हटाने की प्रक्रिया पर कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की एक तय प्रक्रिया है, जिसमें मृत व्यक्ति, दो जगह वोटर लिस्ट में नाम होने और जो बाहरी हैं उनके नाम हटाए जा रहे हैं। नाम जोड़ना या नाम हटाने का अधिकार निर्वाचन आयोग के पास है। अगर कोई फॉर्म अधूरा है, गलत है, सही है, यह तो निर्वाचन आयोग तय करेगा। कांग्रेस का रोंहिग्यों, बांग्लादेशियों और अवैध प्रवासियों से गहरा लगाव है। नियमानुसार उनका नाम कटता है तब भी इन्हें तकलीफ होती है। वहीं, भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एसआइआर प्रक्रिया किसी पार्टी का काम नहीं है।

Rajasthan Patrika

मतदाता सूची से नाम हटाने का आरोप, विधायक ने किया प्रदर्शन

जयपुर @ पत्रिका. मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में विवाद खड़ा हो गया है। विधायक अमीन कागजी ने समुदाय विशेष के मतदाताओं के नाम सूची से हटाने का आरोप लगाया। इसे लेकर गुरुवार को वे समर्थकों के साथ ईआरओ कार्यालय, महारानी कॉलेज पहुंचे और प्रदर्शन किया। विधायक ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष आपत्ति जताते हुए मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया और इस दौरान कुछ फॉर्म भी उठा लिए। अधिकारियों की समझाइश के बाद वे वहां से लौट गए। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद मतदाताओं से दावे और आपत्तियां ली जा रही थीं। इस संबंध में जयपुर एसडीएम राजेश जाखड़ ने बताया कि विधायक को स्पष्ट किया गया है कि योग्य मतदाताओं के नाम नहीं हटाए जाएंगे, जबकि अयोग्य पाए जाने वालों के नाम नियमानुसार हटाए जाएंगे।

Raj Patrika

पारा चढ़ा लेकिन सर्दी ने जकड़ा

शीतलहर के चलने से ठिठुरन बरकरार

आनासागर झील में पहुंचे प्रवासी पक्षी पेलिकन्स

इस सर्दी के सीजन में पहली बार नजर आए

फोटो क्रेडिट: अक्षत चौधरी

जैसलमेर: बॉर्डर से सटे रामगढ़ पर 1 घंटे मंडराता रहा ड्रोन, एजेंसियां अलर्ट

मैनेजमेंट फंडा

एन. रघुरामन

सिर्फ पानी ही नहीं, आपके लिए सुरक्षित वाई-फाई भी जरूरी है

LDC; 10,644 पदों पर होगी भर्ती, सीईटी सीनियर सेकंडरी पात्रता वाले कर सकेंगे आवेदन, 13 फरवरी अंतिम तिथि

9.17 लाख अभ्यर्थी ही पात्र, इनकी 16 फरवरी तक ही रहेगी पात्रता

किस विभाग में कितने एलडीसी के पद

विभाग का नाम	नॉन टीएसपी	टीएसपी	कुल पद
प्रशासनिक सुधार विभाग	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कृषि विपणन निदेशालय	581	19	600
आरपीएससी	6	0	6
राज्य कृषि विपणन बोर्ड	28	0	28
[illegible] बोर्ड	46	4	50
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड	84	0	84
कुल	9642	1002	10644

40-40 प्रतिशत अंक लाना जरूरी

एईएन भर्ती 2024 में विज्ञापन के 2 साल बाद 22 पद बढ़ाए, अब 1036 पदों पर भर्ती होगी

परिवार को समाज से बहिष्कृत करने पर समाज के 7 पंचों पर केस दर्ज

पहले से शादीशुदा युवक के लिव इन में रहने पर लगाया जुर्माना

15 लाख की फिरौती के लिए अपहरण के बाद हत्या के मामले में आरोपी को जमानत नहीं

किशनगढ़ एयरपोर्ट पर बड़े विमानों के संचालन को लेकर तैयारियां शुरू

लघु उद्योग भारती के अभियान से हजारों परिवारों को मिला रोजगार

पाली के मिट्टी के कुल्हड़ बने आत्मनिर्भरता की पहचान

कार्यालय, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान

विशेष गहन पुनरीक्षण –2026

अन्ता विधानसभा क्षेत्र–193

भारत निर्वाचन आयोग का सभी पात्र नागरिकों से मतदाता पंजीकरण हेतु आह्वान

कैसे ? फार्म-6 एवं घोषणा-पत्र भरकर

कौन आवेदन कर सकता है ?

- दिनांक 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष और अधिक आयु के भारतीय नागरिक
- उस विधानसभा क्षेत्र का सामान्यतः निवासी
- अन्य कहीं भी किसी मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं

आवेदन कैसे करें ?

ऑनलाइन आवेदन

ECINET App द्वारा

- ECINET App डाउनलोड करें
- अपना मोबाईल नम्बर और प्राप्त OTP डालकर रजिस्टर करें
- Voter Services सेक्शन पर जाएं
- Voter Registration पर क्लिक करें
- फार्म–6 व घोषणा–पत्र (Annexure-IV) के साथ भरें

Voters Portal द्वारा

- https://voters.eci.gov.in पर जाएं
- मोबाईल नम्बर एवं प्राप्त OTP से Signup करें
- New Voter Registration Tab पर क्लिक करें तथा फार्म–6 एवं घोषणा पत्र(Annexure-IV) भरें

ऑफलाइन आवेदन

- फार्म–6 व घोषणा पत्र अपने BLO से प्राप्त करें एवं भरकर उन्हीं को जमा करावें
- फार्म–6 व घोषणा पत्र https://election.rajasthan.gov.in/ से भी डाउनलोड किया जा सकता है

ड्राफ्ट मतदाता सूची में अब अपना नाम ईपिक नम्बर से भी देखा जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान

https://election.rajasthan.gov.in/

हेल्पलाइन 1950

पुनरीक्षण को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश, विरोध जताया

कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाने का लगाया आरोप

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते कांग्रेसजन।

टोंक. मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र में चल रहे एसआईआर के तहत मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। कांग्रेस का आरोप है कि बीएलओ द्वारा गंभीर त्रुटियां करते हुए कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाए जा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन है। इसी मुद्दे को लेकर गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोगाराम जाट ने आरोप लगाया कि जिस असंवैधानिक तरीके से कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं, उससे क्षेत्र की जनता में गहरा रोष है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रक्रिया को समय रहते रोका नहीं गया, तो आम मतदाताओं का लोकतंत्र से विश्वास डगमगा सकता है।ज्ञापन में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और नियमों के अनुरूप संचालित करने तथा बिना उचित कारण हटाए गए नामों को पुनः जोड़ने की मांग की गई। उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मतदाता पुनरीक्षण में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि कथित अनियमितताओं को शीघ्र दूर नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मालपुरा में मतदाता सूची से नाम काटने का आरोप

कांग्रेस समर्थक वोटरों के नाम गलत तरीके से हटाने की बात कही

मालपुरा के कांग्रेसजन उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए।

भास्कर न्यूज | मालपुरा

निर्वाचक नामावली के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं के नाम काटे जाने को लेकर उपखंड में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को अध्यक्ष गोगाराम जाट के नेतृत्व में बीएलओ पर पक्षपात और त्रुटिपूर्ण कार्य करने का आरोप लगाते हुए एसडीएम कपिल शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया की आड़ में पूरे उपखंड में पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से विलोपित किए गए हैं। कांग्रेस पदाधिकारियों का आरोप है कि बीएलओ द्वारा फॉर्म नंबर 7 भरवाकर विशेषकर कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटाए जा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। ब्लॉक अध्यक्ष गोगाराम जाट ने मांग की है कि कटे हुए नामों को तत्काल मतदाता सूची में पुनः जोड़ा जाए और निर्वाचक नामावली में सुधार की सतत व पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाए।

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि पात्र मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार बहाल नहीं हुए तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर दावे-आपत्तियों पर बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़,राजस्थान(बीएनटी संवाददाता)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ (169) बीनू देवल की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में फॉर्म संख्या 6, 7 एवं 8 की प्राप्ति की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सूची प्रारूप 9, 10, 11, 11(2) एवं 11(बी) विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी ने बताया कि प्राप्त सभी फॉर्मों की सघन जांच कर विधि सम्मत निर्णय लिया जाएगा, ताकि मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से अनिल ईनाणी एवं हरीश ईनाणी, कांग्रेस पार्टी से विक्रम जाट एवं महेंद्र शर्मा, आम आदमी पार्टी से भरत चाष्टा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) से रतनलाल जाट उपस्थित रहे। इसके साथ ही तहसीलदार विपिन चौधरी एवं गजराज मीना भी बैठक में मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर
चित्तौड़गढ़ भास्कर 16-01-2026
पेज 16

एसआईआर में आपत्तियां बल्क में आ रही, कल तक ऑनलाइन 414 ही आए

दावे-आपत्तियों के आखिरी दिन आरओ देवल ने राजनीतिक दलों की बैठक ली

भास्कर न्यूज | चित्तौड़गढ़

एसआईआर-2026 के तहत प्राप्त दावों एवं आपत्तियों के संबंध में गुरुवार को चित्तौड़गढ़ विस क्षेत्र की निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी बीनू देवल की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों की बैठक हुई। इसमें अब तक प्राप्त फॉर्म संख्या 6, 7 एवं 8 की प्राप्ति की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सूची प्रारूप 9, 10, 11, 11 (2) एवं 11 (बी) राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई।

आरओ देवल ने कहा कि प्राप्त सभी फॉर्मों की सघन जांच कर विधिसम्मत निर्णय लिया जाएगा, ताकि मतदाता सूची पूर्ण शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके। बैठक में भाजपा से पूर्व नगर मण्डलमंत्री अनिल ईनाणी एवं जिला कोषाध्यक्ष हरीश ईनाणी, कांग्रेस से ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम जाट एवं संगठन महासचिव महेंद्र शर्मा, आप से भरत चाष्टा, आरएलपी से रतनलाल जाट के अलावा तहसीलदार विपिन चौधरी एवं गजराज मीना भी मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रतिनिधियों ने कहा कि ड्राफ्ट रोल प्रकाशन के बाद पूरे विस क्षेत्र से करीब 10 हजार नामों पर आपत्तियां पेश होने की जानकारी मिली।

जो अधिकांश कांग्रेस विचारधारा के है। विक्रम जाट ने कहा कि एक ही बूथ के करीब 300 मतदाताओं पर आपत्ति पेश होना संदेह पैदा करता है।

ऐसे कई उदाहरण सामने आए। भाजपा के अनिल ईनाणी ने कहा कि सभी जानते है कि आपत्तियां आने मात्र से नाम नहीं कटते पर यदि तथ्य छुपाकर या अन्य तरह से गड़बड़ी कर मैपिंग करा ली गई तो ऐसी आपत्तियों पर निष्पक्ष जांच कर सही निर्णय अपेक्षित है। शिकायतें मिली है कि कई मृतक या विवाह, व्यवसाय आदि कारणों से बाहर चले गए मतदाता भी बने रह गए।

चर्चा में सामने आया कि दो दिन पूर्व तक 7-8 हजार आपत्तियां व करीब 3782 नए नाम जोड़ने के आवेदन आ चुके हैं। बुधवार तक इनमें से 414 आपत्तियां ही ऑनलाइन चढ़ाई गई। संबंधित बीएलओ और ईआरओ आदि द्वारा ऑफलाइन आवेदनों की तय गाइडलाइन व मापदंड देखकर स्क्रुटनी की जा रही है।

इसके बाद ऑनलाइन किया जा रहा है। आरओ ने स्पष्ट किया कि आपत्तियां भले बल्क में या बड़ी संख्या में आई हो। बिना सत्यापन व जांच के कोई नाम नहीं हटेगा। आज अंतिम दिन यानी गुरुवार रात 12 बजे तक प्राप्त सभी दावों व आपत्तियों की स्क्रूटनी होगी।

पत्रिका

पेज 10
16 जनवरी 2026

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर दावे-आपत्तियों पर की चर्चा

चित्तौड़गढ़. निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा क्षेत्र चित्तौडगढ़ बीनू देवल की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में फॉर्म संख्या 6, 7 एवं 8 की प्राप्ति की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सूची प्रारूप विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी ने बताया कि प्राप्त सभी फॉर्म की सघन जांच कर विधि सम्मत निर्णय लिया जाएगा, ताकि मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके।

बैठक में भारतीय जनता पार्टी से अनिल ईनाणी एवं हरीश ईनाणी, कांग्रेस पार्टी से विक्रम जाट एवं महेंद्र शर्मा, आम आदमी पार्टी से भरत चाष्टा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) से रतनलाल जाट उपस्थित रहे। इसके साथ ही तहसीलदार विपिन चौधरी एवं गजराज मीना भी बैठक में मौजूद रहे।

सीधा सवाल

चित्तौड़गढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर दावे-आपत्तियों पर बैठक आयोजित

सीधा सवाल। चित्तौड़गढ़। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ (169) बीनू देवल की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में फॉर्म संख्या 6, 7 एवं 8 की प्राप्ति की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सूची प्रारूप 9, 10, 11, 11(2) एवं 11(बी) विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी ने बताया कि प्राप्त सभी फॉर्मों की सघन जांच कर विधि सम्मत निर्णय लिया जाएगा, ताकि मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से अनिल ईनाणी एवं हरीश ईनाणी, कांग्रेस पार्टी से विक्रम जाट एवं महेंद्र शर्मा, आम आदमी पार्टी से भरत चाष्टा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) से रतनलाल जाट उपस्थित रहे। इसके साथ ही तहसीलदार विपिन चौधरी एवं गजराज मीना भी बैठक में मौजूद रहे।

www.Youthkiawaaz.co.in

यूथ की आवाज

चित्तौड़गढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर दावे-आपत्तियों पर बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ (169) बीनू देवल की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में फॉर्म संख्या 6, 7 एवं 8 की प्राप्ति की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सूची प्रारूप 9, 10, 11, 11(2) एवं 11(बी) विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी ने बताया कि प्राप्त सभी फॉर्मों की सघन जांच कर विधि सम्मत निर्णय लिया जाएगा, ताकि मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से अनिल ईनाणी एवं हरीश ईनाणी,

कांग्रेस पार्टी से विक्रम जाट एवं महेंद्र शर्मा, आम आदमी पार्टी से भरत चाष्टा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) से रतनलाल जाट उपस्थित रहे। इसके साथ ही तहसीलदार विपिन चौधरी एवं गजराज मीना भी बैठक में मौजूद रहे।

एसआइआर प्रक्रिया में जानकारी न देने वाले 5700 मतदाता अब चुनाव अधिकारियों के पास जमा कर रहे कागजात

मतदाता सूची में नाम कटने से बचाने को उमड़ रही भीड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहरोड़. मतदाता सूची में नाम कटने से बचाने के लिए बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं ने चुनाव अधिकारियों के पास अपने कागजात पेश करना शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई उन लोगों के लिए की जा रही है जिन्हें एसआइआर (सर्वे ऑफ़ इंटेलिजेंस रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया के दौरान बीएलओ को दस्तावेज नहीं सौंपने पर नोटिस भेजा गया था।

बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में 7 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिन्होंने एसआइआर के दौरान जानकारी न देने वाले 5700 मतदाताओं को नोटिस जारी किया था। अब इन मतदाताओं ने अपने नाम फाइनल वोटर लिस्ट से कटने से रोकने के लिए आवश्यक कागजात चुनाव अधिकारियों के समक्ष जमा कर रहे हैं। चुनाव शाखा से मिली जानकारी के अनुसार, यह कदम विशेष रूप से उन मतदाताओं के लिए है, जिन्होंने वर्ष 2002 की मतदाता सूची के तहत बीएलओ को जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई थी। इन लोगों को चुनाव आयोग की ओर से माता-पिता की जानकारी, विधानसभा, भाग संख्या, बूथ संख्या और नागरिकता संबंधी दस्तावेज जमा करने के लिए नोटिस भेजा गया था।

एसडीएम कार्यालय में दस्तावेज जमा करने के लिए लगी लंबी कतार।

इस प्रक्रिया के चलते बहरोड़ एसडीएम कार्यालय में मतदाता अपने दस्तावेज जमा करने के लिए भीड़ जुटी रही, जिससे कार्यालय परिसर में लंबी कतारें लग गईं।